

प्रेषक,

डा० हेमलता ढौंडियाल,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
उद्योग निदेशालय,
उत्तराखण्ड देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 24 जून, 2010

विषय: वित्तीय वर्ष 2010-11 हेतु उत्तराखण्ड खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड को सहायता मद में धनराशि स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या: 187/XXVII(1)/2010 दिनांक: 30 मार्च, 2010 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2010-11 हेतु खादी तथा ग्रामोद्योग परिषद को सहायता मद के आयोजनेत्तर पक्ष की समस्त धनराशि में से रू० 200.00 लाख (रू० दो करोड़ मात्र) की धनराशि व्यय किये जाने हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि आपके निवर्तन पर इस आशय से रखी जा रही है कि स्वीकृत धनराशि का आवश्यकतानुसार आहरण कर मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उत्तराखण्ड खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड देहरादून को उपलब्ध करा दिया जायेगा एवं स्वीकृत धनराशि का माहवार व्यय विवरण उत्तराखण्ड खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड से प्राप्त कर शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

3- वितरण अधिकारी द्वारा उक्त धनराशि का मासिक व्यय विवरण बी०एम०-8 के प्रपत्र पर रखा जायेगा, और पूर्व के माह का व्यय विवरण उक्त अधिकारी द्वारा अनुवर्ती माह की 5 तारीख तक उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी को बजट मैनुअल के अध्याय-13 के प्रस्तर-116 की व्यवस्थानुसार प्रेषित किया जायेगा और प्रस्तर-128 की व्यवस्थानुसार उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी द्वारा पूर्ववर्ती माह का संगत व्यय विवरण अनुवर्ती माह की 25 तारीख तक वित्त विभाग को प्रेषित किया जायेगा तथा नियमित रूप से सरकार/शासन को उक्त विवरण प्रेषित नहीं किया जाता है तो उत्तरदायी अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने हेतु सक्षम स्तर को अवगत कराया जायेगा। प्रशासनिक विभाग प्रस्तर-130 के अधीन उक्त आवंटित धनराशि के व्यय का नियंत्रण करेंगे।

4- उक्त धनराशि में से बचनबद्ध मदों में ही व्यय किया जाय। अवचनबद्ध मदों में धनराशि व्यय किये जाने हेतु प्रस्ताव औचित्य सहित शासन को तत्काल उपलब्ध कराया जाय, ताकि वित्त विभाग की सहमति प्राप्त करते हुए उक्त मदों में धनराशि शीघ्र अवमुक्त की जा सके।

5- स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय वित्त विभाग के शासनादेश संख्या 187/XXVII(1)/2010 दिनांक: 30 मार्च, 2010 में इंगित शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन किया जायेगा।

6- स्वीकृत धनराशि का पूर्ण उपयोग दिनांक 31 मार्च 2011 तक कर लिया जायेगा। यदि उक्त तिथि तक कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उस धनराशि को उक्त तिथि तक शासन को समर्पित कर दिया जायेगा।

7- व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/अन्य आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। व्यय मात्र उन्हीं मदों में किया जाय, जिन मदों में धनराशि स्वीकृत की जा रही है। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने में बजट मैनुअल/वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का

उल्लंघन होता हो। धनराशि व्यय के उपरान्त व्यय की गई धनराशि का मासिक व्यय विवरण निर्धारित प्रपत्र पर नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराया जाये।

8- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखा शीर्षक-2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 00-आयोजनेत्तर, 105-खादी ग्रामोद्योग, 03-खादी तथा ग्रामोद्योग परिषद को सहायता, 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता मद के नामे डाला जायेगा।

9- यह आदेश वित्त विभाग के अशा0 संख्या: 24 /XXVII(2)/2010 दिनांक: 21 जून, 2010 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीया,

(डा0 हेमलता ढौंडियाल)

अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 1031/VII-II-10/06-खादी/2006 तद् दिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओवराय विल्डिंग माजरा, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी।
3. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. मुख्य कार्यपालक अधिकारी, खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, उत्तराखण्ड देहरादून।
5. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी देहरादून।
6. अपर सचिव वित्त, उत्तराखण्ड शासन।
7. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. वित्त अनुभाग-2
9. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(डा0 हेमलता ढौंडियाल)

अपर सचिव।